सत्ताधीशों की अंधभक्ति में डूबे प्रशासनिक अधिकारी

नहीं हो रही जनता की सुनवाई, हर विभाग में भ्रष्टाचार एवं कमीशनखोरी चरम पर

नवभारत न्यूज

पन्ना,10 मार्च। पन्ना जिले में कुछ वर्षो से देखा जा रहा है कि यहां जिले में जो कुछ ऐसे प्रमुख प्रशासनिक अधिकारी आ रहे हैं जो जिले के विकास एवं जन समस्याओं को नजर अंदाज करते हुए सत्ताधीशों की अंधभक्ति में डूब जाते हैं ताकि उनकी सीट बची रहे और उनके काले कारनामे एवं काली कमाई वे रोक टोक चलती रहे।

यही कारण है कि आज शायद ही ऐसा कोई विभाग हो जहां पर भ्रष्टाचार एवं कमीशन खोरी चरम पर न हो क्योंकि नीचे उपर तक सबको खुश रखना है तो अब भ्रष्टाचार एवं कमीशन खोरी मजबूरी एवं अनिवार्यता जैसी बन गई है। प्रदेश के मुखिया मोहन यादव प्रदेश के विभिन्न जिलों के भ्रमण एवं अपने भाषणों मे माफ्रियाओं को नेस्तनाबूत करने की बात कहते है। लेकिन पन्ना जिला प्रशासन उनकी इस घोषणा के विपरीत कार्य कर रहा है जब जिले का प्रशासन यानि जहां नवीन कलेक्ट्रेक्ट भवन स्थापित है उसके चंद आसपास नवीन कोर्ट के पास तथा बाईपास से लेकर मांझा तक करोड़ों की भूमि पर एक वर्ष के अंदर भू माफ्रियाओं का कब्जा हो गया है वहीं मांझा एवं खजुरी कुडार तक 8 वर्ष पूर्व बंद हो चुकी पत्थर खदानें वर्षो से चल रही हैं। जब जिला कार्यालय जहां पर हर सभी विभागों के आला अधिकारी बैठते हैं और चंद दूरी पर ऐसे अवैध कारोबार संचालित हैं तो जिले के दूर दराज एवं तहसील क्षेत्रों में क्या हाल होंगे स्वमेव अंदाजा लगाया जा सकता है और जिला प्रशासन मूक दर्शक बना जानते हुए भी अनजान बना है जबकि कई बार मीडिया के माध्यम से जिला प्रशासन का ध्यान आकर्षण कराय गया लेकिन निहित स्वार्थ के चलते कोई कार्यवाही नहीं हो सकी। समूचे जिले में पत्थर एवं रेत का अवैध उत्खनन हो रहा है यहां तक की कलेक्ट्रेट के पास ही वर्ष 2018 में बंद हो चुकी पत्थर खदानें मांझा, लालिया, पीपर टोला, सरकोहा, जैतूपुरा, बछौन, झांझर, घौना, ककरी कछार, सलेहा, कल्दा सहित पुराना पन्ना, जनकपुर, गांधी ग्राम आदि क्षेत्रों में खुलेआम अवैध पत्थर की खदानें चल रही है। यह सब प्रशासनिक

अधिकारियों के भ्रष्टाचार का एक जीता जागता प्रमाण हैं। विभागों के अधिकारी अपने अधिकारी से लेकर कर्मचारियों तक जिसको जहां मौका मिलता है वह अपने निजी हितों की पूर्ति करने से नहीं चूकता इस प्रकार जनता के हितों में हो रही सेंधमारी को मूकदर्शक की भांति प्रशासन मौन धारण किए हैं या फिर बेखबर है विभाग वार जहां भी इस प्रकार की अनियमितताएं हुए हैं या वर्तमान में हो रही हैं उन्हें प्रिंट मीडिया व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के द्वारा समय-समय पर प्रकाशित किया गया गया है फिर भी प्रशासन द्वारा कोई कार्यवाही अमल में नहीं लाई। शासकीय उचित मूल्य की दुकानदारों द्वारा महीनों का राशन हितग्राहियों को न देकर आपस में बंदरबांट का मामला हो ग्राम पंचायतों में सरपंच सचिव उपयंत्री जनपद व जिला पंचायत मैं बैठे महारथियों की मिलीभगत से पंचायतों में विभिन्न कार्यों की वेण्डरों के माध्यम से फर्जी बिल वाउचर लगाकर आहरण करने जैसा अवैध कार्य को मनरेगा के तहत कागजों में फर्जी मजदूर दर्शाकर मशीनों से कार्य कराकर फर्जी तौर पर मजदूरी चढ़ाकर किए गए किए गए आहरण का बंदरबांट किया गया।

यहां तक की संबल योजना के तहत फर्जी हितग्राही दिखाकर अपने निजी हितों की पूर्ति से नहीं चूकते पंच परमेश्वर योजना के तहत प्रतिवर्ष लाखों की फेटो कॉपी कंप्यूटर वर्क आदि फर्जी बिल वाउचर लगाकर आहरण किए जाते हैं। स्वच्छता के अंतर्गत पंचायतों में नाली सफाई समतलीकरण, कचरा परिवहन आदि का कार्य मात्र कागजों वेदर सागर फर्जी हरण किया जाना लगभग हर पंचायतों में देखा जा सकता है खेत में मेड बंधान खेत सुरक्षा खखरी निर्माण का कार्य जिन खेतों में खेत मालिक पूर्व से खखरी लगाए हुए हैं उसी खखरी को मनरेगा के तहत निर्माण दिखाकर लाखों का फर्जी कार्य किया जाता है जिला प्रशासन के नाक के नीचे राजस्व विभाग द्वारा अपने निजी हितों के कारण जिला मुख्यालय में एवं आसपास सत्ता एवं विपक्षी दलों के भू माफ्रियाओं की करोडों की अवैध जमीनों को कब्जा करने एवं जिला मुख्यालय में इंद्रपुरी कॉलानी एवं नवीन कलेक्ट्रेट एवं नवीन कोर्ट के आसपास से लेकर मांझा तक दिनरात अवैध कब्जा हो गया जिसके एवज में राजस्व अधिकारियों की जेबें गरम हुई। जिससे मुख्यमंत्री के माफ्रियाओं के विरूद्ध कार्यवाही का पन्ना में कोई असर नहीं दिख रहा है। इसी प्रकार नगर के 22 वार्डों में गरीबी रेखा के अंतर्गत नियम विरुद्ध ले देकर बनाए गए गरीबी रेखा कार्ड का यदि वार्ड वाइज सत्यापन किया जाए तो बड़े पैमाने पर रिश्वतखोरी का नमूना सच्चाई के रूप में देखा जा सकता है। आयुष विभाग को देखा जाए तो वह पेंशनरों के रजिस्ट्रेशन कर फर्जी बिल वाउचर बनाकर अपनी रोटी सेकने में लगे हैं यदि नगर स्वच्छता की बात की जाए तो बड़ों से लेकर शहर की मेन रोड तक कचरा का अंबार लगा रहता है वही दूसरी ओर महज कागज में रोड बनाकर आहरण भी देखा जा सकता है इसी इसी क्रम में फॉरेस्ट विभाग की भी फर्जी बिल बाउचरों की रेस में किसी से पीछे नहीं है जिले के विभाग बार किए जा रहे कार्यों का यदि भौतिक सत्यापन कराया जाए तो सच्चाई खुद-ब-खुद सामने आ जाएगी लेकिन विडंबना इस बात की है की मीडिया द्वारा प्रकाशित की गई खबरों को प्रशासन द्वारा अनदेखा किया जाता है इस कारण इस कारण सिद्ध होता है की राजनीतिक संरक्षण प्राप्त भ्रष्ट महारथियों के समक्ष जिला प्रशासन भी अपंग है।

महिला दिवस पर लीनेस क्लब ने किया महिलाओं का सम्मान

कार्यक्रम में क्लब के सभी सदस्य रहे शामिल

नवभारत न्यूज

पन्ना 10 मार्च। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस नारी शक्ति के अपार साहस, समानता और उनके अतुलनीय योगदान को सलाम करने का दिन है यह सिर्फ जश्न नहीं बल्कि उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता, सशक्तिकरण और समाज में उन्हें बराबर का सम्मान देने का संकल्प है महिलाओं के संघर्ष और सफलता की कहानी हर किसी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है।

इसी उद्देश्य के चलते लीनेस क्लब की बहनों ने पन्ना एडिशनल एसपी वंदना चौहान व ट्रैफिक टी आई नीलम लक्षकार और डॉक्टर मीना नामदेव का सम्मान पुष्प गुच्छ व फूल मालाओं द्वारा किया गया साथ ही स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए और ब्रह्माकुमारी आश्रम की सीता बहन का सम्मान श्रीफ्ल मोती की माला द्वारा आश्रम में किया गया कार्यक्रम में क्लब की सभी बहने अध्यक्ष संगीता राय सचिव शशि वाला त्रिपाठी कोषाध्यक्ष अंजली सिंह रचना पाटकर, राखी पाटकर, डॉ भारती खरे,, आरती शिवहरे ,प्रियंका शिवहरे, जागृति राजपूत, आशा गढ़पाले, सीता चौहान, आरती खरे, निधि पटेरिया ,अंजलि गोस्वामी आदि उपस्थित रही।

कन्या महाविद्यालय का होगा कायाकल्प

स्थानीय स्तर से जारी होंगे बसों के फिटनेस

नवभारत न्यूज

पन्ना 10 मार्च। पन्ना विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह के प्रयास से शासकीय कन्या महाविद्यालय पन्ना में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए बाउंड्रीवॉल, पुलिया निर्माण और अतिरिक्त कक्षों के निर्माण का आवंटन प्राप्त हो गया है।

विगत दिनों कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य ने उक्त निर्माण कार्यों के आवंटन की मांग के संबंध में पन्ना विधायक से अनुरोध किया था, जिस पर विधायक द्वारा उच्च शिक्षा मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री इंदर सिंह परमार को अवगत कराया गया था। इसके अतिरिक्त विगत दिवस पन्ना जिले के बस ऑपरेटर संचालकों द्वारा विधायक श्री सिंह से मिलकर मांग की गई थी कि बसों के फिटनेस प्रमाण पत्र सतना आरटीओ के स्थान पर यथावत पन्ना आरटीओ विभाग से ही जारी किया जाए। परिवहन मंत्री से चर्चा उपरांत अब बसों के फ्टिनेस प्रमाण पत्र पन्ना से ही जारी किए जाएंगे। लंबे समय से प्रतीक्षित बंधा बरियारपुर बांध निर्माण की स्वीकृति उपरांत टेंडर प्रक्रिया की जा चुकी है। शीघ्र ही इसका भी निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद है।

सूर्य उपासना कार्यक्रम के लिए सौंपा दायित्व

पन्ना 10 मार्च। संस्कृति विभाग द्वारा आगामी 19 मार्च को सृष्टि आरंभ दिवस, वर्ष प्रतिपदा एवं विक्रम सम्वत् 2083 के शुभारंभ अवसर पर श्री जुगल किशोर मंदिर प्रांगण पन्ना में सूर्य उपासना कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर ऊषा परमार ने कार्यक्रम के दृष्टिगत आवश्यक तैयारियों एवं अन्य व्यवस्थाओं के लिए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उमराव सिंह मरावी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। साथ ही अन्य विभागों के अधिकारियों को भी आवश्यक दायित्व सौंपे गए हैं। सूर्य उपासना कार्यक्रम अंतर्गत सुबह 10 बजे कलाकारों के दल द्वारा सम्राट विक्रमादित्य की नाट्य प्रस्तुति का मंचन किया जाएगा।

पुराने रश्मों को भूलती जा रही युवा पीढ़ी

नवभारत न्यूज

पन्ना 10 मार्च। पाश्चात्य संस्कृति का अंधानुकरण और भागमभाग भरी जिंदगी में वैवाहिक कार्यक्रमों का स्वरूप बदल गया है। वर और वधु पक्ष के परिवारों को माटी से जोडने वाली अधिकांश परंपराएं लुप्त होने की कगार पर हैं।

वैवाहिक कार्यक्रमों के घर आंगन से बाहर बरातघर और मैरिज गार्डनों में करने की परंपरा के चल निकलने के कारण अब घर के आंगन सूने रह जाते हैं, जबकि पूर्व में इसका ध्यान रखा जाता था कि आंगन सूने न रह जाएं। इसके लिए लोग दूसरों के बेटियों का विवाह तक अपने घरों के आंगन करने के लिए तैयार हो जाते थे।

गुम हो गई शहनाई की तान:- एक जमाने में शहनाई वैवाहिक कार्यक्रमों की शान हुआ करती थीं। बिना शहनाई के विवाह कार्यक्रम अधूरे माने जाते थे। शहनाई की वह मधुर तान समय के साथ बैंड और अब इसके बाद डीजे के शोर में दब गई है। अब शहनाई की मधुर धुन सुनाई ही नहीं देती।

दूल्हा दुल्हन तक सिमटी शादी:- आजकल का पूरा वैवाहिक कार्यक्रम दूल्हा दुल्हन के आसपास सिमट गया है। रिश्तेदारों की भूमिका धीरे धीरे घटती जा रही है पहले की तरह अब न वर पक्ष के लोगों से वधू पक्ष का परिचय कराया जाता है और न ही वर पक्ष के लोगों को इतना जानने के लिए समय रहता है जबकि पहले लोग एक दूसरे के परिवारों के बारे में जानने लिए लालायित रहते थे।

पहले उपहार अब दहेज:- पहले वैवाहिक कार्यक्रम के दौरान बेटियों को परिवार के लोग उपहार के रूप में दैनिक उपयोग में आने वाली सामग्री व संस्कार दिया करते थे। अब समय के साथ इसका स्वरूप बदल गया है। अब उपहार की जगह वर पक्ष की ओर से दहेज की लिस्ट वधू पक्ष को दी जाती है। हर सामान अब ऑनलाईन बुक हो जाता है। पहले परिवार के लोग दहेज के सामान की तैयारी महीनों पहले करने लगते थे।

मागर माटी के लिए जगह नहीं

वैवाहिक कार्यक्रमों में मागरमाटी का विशेष महत्व होता है। मागर माटी में गांव की महिलाएं गाजे बाजे के साथ मिट्टी को खोदकर लाती थी, उस मिट्टी में मडवे के पास चूल्हा बनता था। इसी चूल्हे में विवाह के एक दिन पहले रौ छौकने की रश्मो निभाई जाती थी। इन्हीं चूल्हों में लावा परोसने की रश्म निभाने के लिए लावा भूंजने की रश्म भी निभाई जाती थी। अब रिश्तों को आपस में जोडने वाली ये रश्म महज औपचारिक रह गई है।

रिश्तेदारों को नहीं पहचान पाते दोनों पक्ष

विवाह के नए स्वरूप में वर और वधू पक्ष के रिश्तेदार एक दूसरे को पहचान भी नहीं पाते हैं। वधू पक्ष का कौन पैर पडकर चला जाता है, वर पक्ष के लोगों को इसका पता ही नहीं होता है। हालात ये हो गये हैं कि दूल्हे तक को पता नहीं होता है कि कौन कौन लोग उसके पैर पडकर चले गए। लोगों को मामा और फूफा जैसे नजदीकी रिश्तों के बारे में भी ज्यादा पता भी नहीं होता है।

बैंकों, होटलों व मैरिज गार्डनों में पार्किंग व्यवस्था न होने से यातायात प्रभावित

नवभारत न्यूज

पन्ना 10 मार्च। पन्ना जिला मुख्यालय में सब सांठ गांठ के चलते नियम विरूद्ध गार्डन एवं होटल संचालित हो रहे हैं निर्धारित मापदंडों को 90 प्रतिशत जिले के होटल एवं मैरिज गार्डन पूरा नहीं करने के बावजूद संचालित हो रहे हैं। आज तक इस ओर जिला प्रशासन द्वारा कोई ध्यान न दिया जाना प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान लगाता है।

यही हाल बैंकों का है एक दो बैंकों को छोड़ दिया जाये तो किसी भी बैंक में पार्किंग की व्यवस्था नहीं है जिस कारण वाहन सड़कों पर खड़े रहते हैं और आवागमन प्रभावित होते रहते हैं यही हाल होटल एवं मैरिज गार्डनों का है शादी हो या अन्य कार्यक्रम वाहनों का रैला होटल मैरिज गार्डनों के सामने खड़ा रहता है और लोगों का निकलना तक मुश्किल हो जाता है वाहनों का जाम लगना आम बात हो गई है। शहर मे स्थित लगभग एक दर्जन बैंकों व होटलों के सामने पार्किंग व्यीवस्थाम नहीं होने के कारण अराजकता की समस्या गहरायी हुई है। बैंको के खाताधारकों के वाहन अघोषित पार्किंग में खडे होने से पुलिस यदि बैंको के सामने खाताधारकों के वाहनों का चालान और जुर्माना करता हैं तो इसमें खाताधारकों के समक्ष बडी समस्या उपज रही हैं कि वे अपने वाहन कहां खडा करें।

होटल, मैरिज गार्डनों एवं बैंकों के सामने नो पार्किंग में खडे हो रहे वाहन:- शहर के भीतर मार्केट होटलों, मैरिज गार्डनों और बैंकों के सामने पार्किंग नहीं होने के कारण जाम की स्थिति बन रही है। बैंकों व होटलों में जाने वाले लोग अपने वाहनों को कहां खडा करें शहर के नो पार्किंग जोन में संचालित आधा दर्जन से अधिक बैंकों ने न केवल शहरवासियों को परेशानी में डाल रखा है बल्कि अब इन बैंकों के खातेदार भी पार्किंग सुविधा न होने के कारण परेशान होने लगे हैं। परेशान लोगों के मन में यही सवाल आ रहा है कि आखिर इन बैंकों को नो पार्किंग जोन में बैंक संचालित करने की अनुमति मुख्यालय से मिल कैसे गई। परेशान लोगों ने शासन प्रशासन का ध्यान इस ओर आकर्षित कराते हुए सभी बैंकों को नो पार्किंग जोन से हटाने की मांग की है। गौरतलब है कि शहर भर में जगह जगह कई बैंकों का संचालन ऐसी जगह जगह किराये के मकानों में किया जा रहा है।

बेतरतीब वाहनों से बढ़ रही परेशानी

पुलिस के द्वारा यातायात सुधार की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के तहत शहर भर में बेतरतीब खडे होने वाले वाहनों के विरूद्ध चालानी कार्रवाई की जा रही है। ऐसे में पुलिस की चालानी कार्रवाई का शिकार वो लोग हो रहे है जो बिना पार्किंग जोन में संचालित बैंकों में अपना बैंक से संबंधित कामकाज निपटाने आते हैं। चालानी कार्रवाई से प्रभावित खातेदारों का कहना हैं कि यदि बैंक में पार्किंग की सुविधा हो तो वो अपना वाहन सड़क पर पार्क क्यों करेंगे।

वनरक्षक आवास में बुन्देली फाग उत्सव का आयोजन

नवभारत न्यूज

पन्ना 10 मार्च। बुन्देलखण्ड क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं में फाग गायन का विशेष स्थान है, जो मुख्यत: होली के अवसर पर गाया जाता है।

फाग गीतों के साथ ढोलक, नगड़िया, मंजीरा और झांझ जैसे पारंपरिक वाद्य यंत्रों की संगत वातावरण को उल्लासपूर्ण बना देती है। समय के साथ यह लोक परंपरा धीरे धीरे कम होती जा रही है, ऐसे में इसके संरक्षण और संवर्धन की आवश्यकता और भी बढ़ जाती है। इसी उद्देश्य से दक्षिण पन्ना वनमण्डल के वन परिक्षेत्र कल्दा अंतर्गत वनरक्षक आवास जुर्सिहा में वनरक्षक वीरेन्द्र पटेल द्वारा बुन्देली संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए फाग उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आसपास के ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

खदान में ब्लास्टिंग का पत्थर लगने से मजदूर की मौत

नवभारत न्यूज

पन्ना 10 मार्च। सलेहा थाना अंतर्गत जैतपुर बछूम पत्थर खदान मे ब्लास्टिंग के दौरान पत्थर मजदूर के सिर पर गिरा, जिससे मजदूर ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पुलिस ने मृतक का गुनौर में पोस्ट मार्टम कराया और शव को गांव भिजवा दिया।

सलेहा थाना अंतर्गत जैतपुर बछूम पत्थर खदान संचालित है। पत्थर खदान में इटवां गांव निवासी रामनारायण कोरी पिता गंगा प्रसाद कोरी मजदूरी का काम करता था। रामनारायण रोजाना की तरह पत्थर खदान में सोमवार को भी काम कर रहा था। आरोप है कि खदान में पत्थर निकालने ब्लास्टिंग की जा रही थी। लापरवाही से की जा रही ब्लास्टिंग के चलते एक पत्थर मजदूर के सिर पर लग गया। जिससे मजदूर की मौके पर ही मौंत हो गई।

गुनौर में कराया गया पोस्टमार्टम:- सूचना पाकर सलेहा थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे शव को कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम के लिए सलेहा अस्पताल पहुंचाया। सलेहा अस्पताल में चिकित्सक नहीं होने की वजह से पोस्ट मार्टम नहीं हो पा रहा था। ऐसे में शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गुनौर पहुंचाया गया। जहां गुपचुप तरीके से पोस्ट मार्टम करवा पुलिस ने शव को परिजनों के सुपुर्द कर दिया। थाना प्रभारी से मृतक का नाम जानने सुबह से देर रात तक संपर्क किया गया पर उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया और न ही मैसेज पढ़ने के बाद मामले की जानकारी दी।

वाहनों में स्टाइलिस नम्बर प्लेंटों का बढ़ा क्रेज, नम्बर की जगह पदों एवं पार्टियों का नाम

नवभारत न्यूज

पन्ना 10 मार्च। जिले मे अपराध लगातार बढते जा रहे हैं और एक के बाद एक बडे अपराधिक घटनाओं को अपराधी अंजाम दे रहे हैं। घटना को अंजाम देने वाले अपराधी आज भी पुलिस की पकड से बाहर है घटना मे उपयुक्त किए गए वाहनों की पहचान भी नहीं हो सकी।

गाडियों में नंबर प्लेट की कलाकारी से उनके नंबर नहीं देखे जा सके। उल्लेखनीय है कि ऐसा पहली दफा नहीं हुआ है इसके पहले भी राह चलते आदमी को ठोकर मारकर वाहन निकल जाते हैं और उनकी पहचान नहीं हो पाती क्योंकि उनके नंबर प्लेट में लिए गए नंबर में कलाकारी कर उसे कुछ और मालिकों ने अपने शौक में परिवहन विभाग के नियमों की धज्जियां उडा रखी है जिम्मेदार महकमा इस पर लगाम नहीं लगा पा रहा है। इस तक पुलिस महकमा नहीं पहुंच पाता। शहर के वाहनों में गलत तरीके से नम्बर अंकित है सडक हादसों या अन्य वारदातों में कई बार लोग गफ्लत में गलत नंबर नोट कर लेते हैं। सबसे अधिक बाइक और कार में स्टाइलिश नम्बर लिखना कर चलने का क्रेज बढा है। इस शौंक को पूरा करने वाहन मालिक हजारों रुपये अदा करते हैं। गौरतलब है कि शहर में लगभग एक दर्जन से अधिक दुकानें सिर्फ स्टाइलिश अंदाज में नंबर प्लेट लिखने वाली संचालित हैं। शहर में बडी संख्या में दो से तीन सौ रुपये में ऐसे स्टाईलिश वाले नंबर प्लेट तैयार किये जाते हैं वाहनों में रजिस्ट्रेशन नम्बर को है राम, मां, दादा, दाऊ, यादव, मोदी, सांई, जयश्री राम की स्टाईल में लिखवाने का चलन बढ गया है। कई वाहनों में ऐसे आडे तिरछे स्टाइल में नंबर लिखे गए हैं कि उसे आसानी से कोई पढ नहीं सकता। कई वाहनों में रस्ट्रिेशन नम्बर के अलावा दूसरे शब्द और चित्र भी बनवाने का चलन बढा है। कुछ वाहनों के प्लेट पर अंक छोटे और बडे अंक में लिखवाया जा रहा है।

जिला मूल्यांकन समिति की बैठक 13 को

पन्ना 10 मार्च। महानिरीक्षक पंजीयन एवं अधीक्षक मुद्रांक कार्यालय के निर्देशानुसार वर्ष 2026-27 में अचल संपत्तियों की गाईड लाईन दरों के निर्धारण के संबंध में जिला मूल्यांकन समिति की बैठक शुक्रवार, 13 मार्च को सुबह 11 बजे कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। कलेक्टर एवं समिति अध्यक्ष ऊषा परमार की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में उप जिला मूल्यांकन समितियों से प्राप्त प्रस्तावों पर चर्चा कर अनुमोदन की कार्रवाई भी की जाएगी। इस अवसर पर संबंधितजनों से बैठक में उपस्थित रहने का अनुरोध किया गया है।

काम के अभाव में मजदूरों का पलायन जारी, त्योहार होते ही मजदूरों के घरों मे लटकने लगे ताले

नवभारत न्यूज

पन्ना 10 मार्च। होली का त्योहार होते ही प्रवासी मजदूरों का पलायन शुरु हो गया है। प्रवासी महानगरों की ओर परिवार सहित वापसी करने लगे हैं। वहीं मनरेगा या अन्य किसी योजना से गांव में परिवार पालने लायक काम न मिलने से युवा भी पलायन की राह पर हैं। बस स्टैंड पर प्रवासी मजदूर अपने परिवार व ग्रहस्थी के सामान के साथ बडी संख्या में नजर आने लगे हैं।

गांवों में पलायन रोकने के लिए मानव श्रम को ग्राम विकास में भागीदार बनाने के लिए लागू कई योजनाएं भी ग्रामीणों को गांव में काम नहीं दिला पाई हैं। जहां भी काम हुए वहां मानव श्रम की बजाए मशीनों से काम कराए गए जिससे स्थिति बिगडती चली गई। ऐसे ही

लगातार बदतर हो रहे हालातों से जूझते हुए ग्रामीण अपना घर, खेत खलिहान छोडकर शहरों की ओर कूच कर रहे हैं। एक तो मनरेगा में गांव में काम ही नहीं मिलते, यदि काम मिल भी जाए तो भुगतान कम और देर से मिलता है। मजदूर बकाया होने से मजदूर काम करने की बजाय गांव से बोरिया बिस्तर समेटकर काम दाम और रोटी के लिए महानगरों की ओर पलायन करना ज्यादा सही समझते हैं। ऐसे तमाम कारणों से गांव में काम व मजदूरी के अभाव में जिले से प्रतिदिन सैकडों प्रौढ़ और युवा मजदूर रोजगार की तलाश में दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद जैसे अन्य महानगरों में पलायन कर रहे हैं। जहां वे मजदूरी कर रहे हैं।

पेट पालने के लिए जाना पडता है गांव छोड़कर

जिले से बडी संख्या में मजदूरों का पलायन हो रहा है जिससे मनरेगाकी असलियत सामने आ रही है। वहीं ग्रामीण मजदूरों की दुर्दशा की चिंताजनक स्थिति है। दिल्ली जा रहे मोहन आदिवासी ने बताया गांव में कोई काम नहीं है काम होता भी है तो मजदूरी देर से मिलती है, ऐसे में लोगों से कर्जा लेकर चूल्हा जलाना पडता है। आशा, जयंती आदिवासी का कहना हैं कि ऐसी योजना किस काम की जो न तो काम दे सके न समय पर मजदूरी। कल्लू ने बताया कि खेत में सिंचाई न होने से इस बार खेती सही नहीं है गांव में काम भी नहीं है ऐसे में घर में चुटकी भर अनाज नहीं है। गांव में जो काम होते हैं, वे मशीन से कराए जाते हैं। कभी कभी पांच छह दिन काम मिलता है, तो 25 दिन खाली बैठना पडता है। पैसा मिलने में देर होने से परिवार का पेट पालना मुश्किल हो गया, इसीलिए बाहर जा रहे हैं।

मनरेगा नहीं रोक पा रही पलायन

सरकार ने आम गरीबों को गांवो में ही रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वर्ष 2005 में पंचायतों में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी यानि मनरेगा योजना लागू की है दुनिया की सबसे बडी इस योजना का मूल उद्देश्य आस्था व श्रम मूलक कार्य कराके लोगों को काम उपलब्ध कराके उनका पलायन रोकना था, मगर ऐसा हो नहीं सका। सही मायने में अधिकारियों से लेकर पंचायत प्रतिनिधियों तक सभी मनरेगा से मलाई खा रहे हैं, वहीं जरूरतमंद ग्रामीण परेशान हैं। सच्चाई ये है कि एक तो 90 प्रतिशत ग्राम पंचायतों में कार्य नहीं हो रहे हैं जो कार्य होते भी हैं वे भी कागजों पर पूर्ण करके राशि आहरित कर ली जाती है। तालाब गहरीकरण, मिट्टीकरण, पौधरोपण, नाला सफाई के काम मनरेगा वाले अधिकांश काम मशीनों से कराए जा रहे हैं वहीं कई काम कराए बिना ही मजदूरी तथा मटेरियल के नाम पर फर्जी मस्टहर व फर्जी बिलों से राशि निकाली ली जाती है।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम माणिकपुर बिस्नू, तहसील गुनौर, जिला पन्ना (म.प्र.) स्थित भूमि खसरा नं. 610 के संबंध में पुरुषोतम कुमार भार्गव बनाम सपना जैन, प्रकरण क्रमांक 226, माननीय एस.डी.एम. न्यायालय गुनौर में विचाराधीन है। अत: उक्त भूमि का कोई भी व्यक्ति क्रय-विक्रय, रजिस्ट्री या किसी भी प्रकार का लेन-देन करता है तो वह स्वयं के जोखिम व जिम्मेदारी पर करेगा।

सूचना देने वाला
पुरुषोतम कुमार भार्गव निवासी -सलेहा
मो.:-8827767481